%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 094

No. 055

Bhimeśvara Temple at Drakshārāma

( S. I. I. Vol. IV, No. 1254; A. R. No. 357-C of 1893 )

Ś. 107[1] (?)

(१।) … … … … …

(२।) ………….. ड्कु मत्त-

(३।) [मि]यकरा...न श्रीअनियक्क-

(४।) भीमराउत्तदेवर दिव्य श्रीपादप-

(५।) द्मयुगल निरंत्तरविनयविनमितो-

(६।) त्तमांग्ग कास्यप[गो]त्र वरसिवद्धिंतसु-

(७।) धाकर विप्रकुलआसीर्व्वाद समस्त-

(८।) देवता समारादि(धि)तरतिपतितनूज-

(९।) सर्व्वजयापुत्र श्रीमन्महानादसे-

(१०।) नापति नाम स्वस्ति [।] आसी[द्भु]वि श्री[व]ररुद्र-

(११।) चद्रा यः कास्यपो वैश्यकुलाब्धिचंद्रः [।]

(१२।) तस्यात्मजो माधवचद्रधीर[ः] श्रीना-

(१३।) यकाणी रमणी च यस्य [।। १] जातस्ताभ्या-

(१४।) ं भुवनविदित श्रीमहानद्धंचद्रः सेनाधी-

(१५।) ... ... ... ... ... यस्य

[१६—१८ lines are gone]

(१९।) त्यस्या ...............

(२०।) भक्त्या भीमेश्वराय ... ... .............

(२१।) मन्त्री प्रादात्कीर्ती ... ...........

%%p. 095

(२२।) द्रतारं [।।] स्वस्ति [।] शकवर्षवुलु १०७[१]<\*> [गुने]-

(२३।) ण्टि भाद्रपद- शुक्लपंचमि......

(२४।) ंद्रपौत्र माधवचंद्र.........[अ]-

(२५।) नियंक्कभीमरावुतु..........[म]-

(२६।) हानाद सेनापति ... ...... [अख]-

(२७।) ण्डवर्ति ओकण्टिकि इचिन ..... ...

(२८।) ंट्रगां<2>

<\* The inscription was engraved in the time of Aniyaṅkabhīma Rāuttadeva who is identical with either Aniyaṅkabhīma II or his grandson Aniyaṅkabhīma III. The former ruled from A. D. 1190—1198-9 corresponding to the Saka years 1112—1121.The latter king ruled from A. D. 1211-2—1238-9, corresponding to the Saka years 1133-1161. Thus, the reading of the date is not correct. If Mahānāda Senāpati recorded in this inscription is identical with the Silpi Mahānāda whose name occurs in No. 52, then the king is to be taken as Aniyaṅkabhīma III.>

<2. The inscription is left incomplete.>